



शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज



लखनऊ, शुक्रवार 14 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ:-8 मूल्य:-4 रूपया वर्ष:- 14, अंक 30

दिल्ली में 3 दिन में ही लोगों को गलती हो गया... लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र रजत पाटीदार होंगे आरसीबी...

महाकुंभ पर अफजाल अंसारी के बिगड़े बोल स्वर्ग हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली

एजेंसी
गाजीपुर। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अफजाल अंसारी ने एक विवादाित बयान में कहा कि कुंभ नहाने होड़ मची हुई है। लोगों का मानना है कि महाकुंभ में स्नान से उन्हे बैकुंठ मिलेगा, ऐसे में स्वर्ग जहां हाउसफुल हो जाएगा और नरक बिल्कुल खाली हो जाएगा। शाहियाबाद थाना क्षेत्र में 12 फरवरी बुधवार को रविदास जयंती के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा सांसद ने कहा महाकुंभ में स्नान करने की होड़ मची हुई है। ऐसा लग रहा है जैसे सभी लोग स्वर्ग में ही चले जाएंगे, जो हाउसफुल हो जाएगा। वहीं नरक



बिल्कुल खाली रह जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के चलते सड़कों पर चलना दूधर हो गया है। ट्रेनों में युवाओं द्वारा खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए जा रहे हैं, पुलिस असहाय

नजर आ रही है। इस दौरान उन्होंने मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ का जिक्र करते हुए भी कहा कि लोग कुचल कर मर जा रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्वोत्तर के बाहुबली स्वर्गीय मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी ने लगभग 2 महीने पूर्व भी इसी तरह का एक विवादाित बयान देते हुए कहा था कि महाकुंभ में पूरी एक मालगाड़ी गांजा खप जाएगा। साधु संत केवल गांजा पीते हैं। उनके उक्त विवादाित बोल को लेकर गाजीपुर पुलिस द्वारा एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। वहीं अब महाकुंभ पर उनके इस कटाक्ष की भी चर्चा होने लगी है।

मणिपुर में लगा राष्ट्रपति शासन

नौ फरवरी को सीएम बीरेन ने इस्तीफा दिया था, 21 महीने से जारी हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा मौतें

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। यह कदम मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। सिंह का यह फैसला पूर्वोत्तर प्रांत में जातीय हिंसा के लगभग 21 महीने बाद आया था, जिसमें 250 से अधिक लोग मारे गए हैं। इस दौरान हजारों लोग विस्थापित भी हुए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल से मिली रिपोर्ट के आधार



पर राष्ट्रपति इस नतीजे पर पहुंची हैं कि मणिपुर में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें यहां की सरकार भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती इसीलिए राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 356 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल कर यहां की शासन व्यवस्था अपने हाथों में ले रही हैं। बता दें कि राज्य में विधानसभा का

अंतिम सत्र 12 अगस्त, 2024 को खत्म हुआ था। इससे पहले बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को राजधानी इंफाल में अपना इस्तीफा सौंप दिया था। बीरेन सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र शुरू होने से एक दिन पहले ही इस्तीफा सौंप दिया था जिसके बाद बजट सत्र को रद्द कर दिया गया था। बीरेन सिंह ने अपने त्यागपत्र में कहा था, मणिपुर के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात रही है। मैं समय पर कार्रवाई करने और मणिपुर के हर व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूँ। बता दें कि इससे पहले बीरेन सिंह पर मणिपुर हिंसा में शामिल होने के

दावे को लेकर एक ऑडियो टेप जारी हुआ था। इस्तीफा देने से 5 दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने इस लीक हुए ऑडियो टेप पर फॉरेंसिक रिपोर्ट मांगी थी। ऑडियो टेप में कथित तौर पर बीरेन सिंह को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि राज्य में उन्होंने हथियारों को लूटने की इजाजत दी थी जिसके बाद विपक्ष ने कई सवाल उठाए थे। इस बीच मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा के बीच राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। सत्तारूढ़ भाजपा के नॉर्थ ईस्ट के प्रभारी संबित पात्रा और पार्टी विधायकों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद गतिरोध कायम दिख रहा है।

सड़क हादसे में दो की मौत, 12 घायल

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में प्रयागराज से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी रोडवेज बस व कार में टुक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बस चालक व एक यात्री की मौत हो गयी जबकि बस व कार सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गये, जिसमें गंभीर घायल चार लोगों को हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार सुबह बताया कि बीतीरात नेशनल हाई-वे पर केशव ढाबा के पास यह हादसा उस समय हुआ जब महाकुंभ में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं से भरी दो रोडवेज बसें और एक कार पर सवार यात्री अपने गंतव्य के लिए लौट रहे थे। सभी नेशनल हाई-वे पर केशव ढाबा पर खाना खाने के लिए रुके थे।

पद्मश्री लोक गायिका सुकरी बोम्मागोड़ा का निधन

कारवार। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध लोक गायिका सुकरी बोम्मागोड़ा का गुरुवार तड़के अंकोला तालुक के बडिगोरी स्थित उक्त आवास पर निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थीं। गायिका को कर्नाटक की आदिवासी संगीत परंपराओं में योगदान के लिए जाना जाता है और वह उग्र संबंधी वीमारियों से पीड़ित थीं। सुकरी बोम्मागोड़ा हलाक्री वीक्कासिगा समुदाय की एक प्रमुख हस्ती थीं। उन्होंने अपना जीवन स्वदेशी लोक संगीत को संरक्षित करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसमें 5,000 से अधिक गीतों का विशाल भंडार शामिल है। वह बोम्मागोड़ा हलाक्री की कोकिला के नाम से मशहूर थीं। उन्होंने कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और शराब की खपत के खिलाफ आवाज उठायी की। सुकरी बोम्मागोड़ा ने हाल ही में उडुपी में सांस संबंधी समस्याओं का इलाज कराया था। आज सुबह लगभग चार बजे उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनके पोते-पोतियां और एक बहू हैं।

वक्फ बिल पर जेपीसी रिपोर्ट संसद में पेश

खड़गो ने कहा- हमारी आपत्तियां डिलीट कीं, शाह बोले- जो चाहें जोड़ लें, मेरी पार्टी को आपत्ति नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर मंचे घमासान के बीच लोकसभा की कार्यवाही बृहस्पतिवार को विपक्ष के वॉकआउट के बाद 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नया इनकम टैक्स बिल सदन में पेश किया। आज लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट पेश की गई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया। विपक्षी दलों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को लेकर तीखी नाराजगी जताई और सरकार पर संसदीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 655 पन्नों की रिपोर्ट पढ़ने के लिए हमें



केवल एक रात दी गई, हमें अपनी आपत्तियां रखने का पर्याप्त समय नहीं मिला। यदि बैठक के मिनट्स को देखें, तो पाएंगे कि क्लॉज-दर-क्लॉज चर्चा नहीं हुई, जबकि यह सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसे नजरअंदाज किया गया। अध्यक्ष किसके दबाव में काम कर रहे हैं? इसी के विरोध में हमने आज सदन से वॉकआउट किया। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा, गृह मंत्री ने आज सदन में एक मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा

असदुद्दीन ओवैसी का तीखा हमला

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस विधेयक का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा, यह बिल न केवल असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 का उल्लंघन करता है, बल्कि यह वक्फ संपत्तियों को बचाने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें नष्ट करने और मुस्लिमों से छीनने के लिए लाया गया है, हम इस बिल की निंदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि 70 प्रतिशत असहमति रिपोर्ट्स के संशोधित संस्करण में शामिल किए जाएंगे, लेकिन विपक्ष इसे पर्याप्त नहीं मान रहा है।

विपक्ष का रिएक्शन

सपा की सांसद डिंपल यादव ने कहा, जिस तरह विपक्षी सदस्यों द्वारा दिए गए असहमति नोट को वक्फ संशोधन विधेयक में शामिल नहीं किया गया, सरकार मनमाने तरीके से यह विधेयक ला रही है। वे ध्यान भटकाने के लिए सत्र के आखिरी दिन विधेयक लेकर आए हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी रिपोर्ट के संबंध में कहा, बिल के संबंध में जो हमारा सुझाव था वह पूरी तरह से अनदेखा किया गया है, आज देश के सामने किसानों और रोजगार की समस्या है, इन पर से ध्यान हटाने के लिए इस तरह का बिल लाया गया है। इस बजट में हमारे किसानों के लिए कुछ नहीं है, इस बजट पर चर्चा न हो इसलिए यह बिल लाया गया है, हमने इस बिल का विरोध ही नहीं बल्कि बहिष्कार भी किया है, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिर्गी मसली ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट को लेकर कहा, हम वक्फ (संशोधन) विधेयक की मुखातिफ करते हैं। हम चाहते हैं कि वक्फ विधेयक में संशोधन न किया जाए। विपक्ष के सांसदों ने भी अपनी आपत्तियां रखी थीं।

नहीं है। अगर आपको अपनी बात मनवानी है तो जनता से वोट लेकर बहुमत में आए... इस सच्चाई को

अनदेखा नहीं किया जा सकता कि कई जगह वक्फ की जमीन पर मॉल और बाजार बने हुए हैं।

आचार्य सत्येन्द्र दास को सरयू में दी गयी जल समाधि

शकुन टाइम्स संवाददाता
अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के पार्थिव शरीर को गुरुवार को सरयू नदी में जल समाधि दी गई। पुजारी की अंतिम यात्रा उनके रामघाट स्थित सत्यगोपाल धाम मंदिर से गाजे-बाजे संग निकाली गई। जो रामनगरी के मार्गों से होते हुए सरयू नदी के किनारे शमशान घाट पहुंची। जहां पुजारी सत्येंद्र दास को सरयू में जल समाधि दी गई। राम मंदिर गेट से लेकर हनुमानगढ़ी, लता मंगेशकर चौक तक अंतिम यात्रा निकाली गयी, जिसमें अयोध्यावासियों के साथ साधु संत के अलावा मंत्री सतीश शर्मा, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी



रामदिनेशाचार्य, पूर्व सांसद रामविलास दास वेदांती, श्रीमहंत धर्मदास, महंत गौरीशंकर दास, नाका हनुमानगढ़ी महंत रामदास, अयोध्या विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, महंत राघवेश दास वेदांती, महंत भूषण दास, महंत जयराम दास, महंत माधवदास, महंत रामकरन दास, महंत सीताराम दास, नीरज शास्त्री, नारायण मिश्रा, प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी, बब्लू खान, भाजपा नेता परमानंद मिश्रा, पुजारी प्रेम दास हजारों की संख्या में संत-महंत, रामभक्त शामिल रहे। अंतिम संस्कार उनके शिष्य पुजारी प्रदीप

दास ने किया। बुधवार को पुजारी सत्येंद्र दास का लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उन्हे ब्रेन स्ट्रोक के चलते तीन फरवरी को पीजीआई में भर्ती कराया गया था, जहां 12 फरवरी को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पूरी रामनगरी में शोक की लहर छा गई। निधन से हर कोई गमगीन था। पुजारी के आश्रम पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। संत-महंतों से लेकर राजनेता, आम नागरिकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर अंतिम विदाई दी। पुजारी सत्येंद्र दास का जीवन रामलला के लिए समर्पित रहा। जहां उन्होंने 1992 से लेकर अब तक लगभग 32 वर्षों तक रामलला की सेवा किया।

महाकुंभ मेले में फिर आग ने मचाई तबाही

प्रयागराज। प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। नागवासुकी के पास एक शिविर के टेंट में अचानक आग लग गई। अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दो टेंट पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। नागवासुकी क्षेत्र में बिन्दु माधव मार्ग पर पुलिस का कैंप बना है, जहां सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। गुरुवार दोपहर अचानक एक टेंट में आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी गई। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग को बुझाया। हालांकि, दो टेंट पूरी तरह जल गए और उनमें रखा सारा सामान भी नष्ट हो गया।

RNI : UPHIN/2012/45286

शकुन टाइम्स
निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र (प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया)
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

शकुन टाइम्स
आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण जिले में तहसील और ब्लॉक स्तर पर संवाददाता की

प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया

यदि आप भी समाज में फैले हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध उठाना चाहते है आवाज तो शकुन टाइम्स दे रहा है आपको एक बेहतरीन मौका

अधिक जानाकारी के लिए अपना नाम व जिला हमें
WhatsApp करें
9935781155, 9415052283

किसान संगठित रहेंगे, तब ही सुरक्षित रहेंगे

एमएसपी को लेकर राकेश टिकैत ने किया देशव्यापी आंदोलन का आह्वान

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने आगरा में निजी बिजली कंपनियों पर 40 लाख रुपये तक का बकाया बिजली बिल भेजकर किसानों को लूटने का आरोप लगाया। एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने सरकार से इन बिलों को माफ करने का आग्रह किया और मांग पूरी नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी। टिकैत ने आलू के लिए कोल्ड स्टोरेज किराए में बढ़ोतरी पर भी



चिंता जताई और कहा कि इससे किसानों पर बोझ पड़ रहा है। टिकैत ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले

कानून से आगरा और आसपास के क्षेत्रों में आलू और सरसों किसानों को फायदा होगा। उन्होंने सरकार की भूमि अधिग्रहण नीति पर सवाल

उठाया। उन्होंने कहा कि अधिकारी सर्किल रेट बढ़ाए बिना जमीन का अधिग्रहण कर रहे हैं, जिसे वह अनुचित मानते हैं। इसके अलावा राकेश टिकैत ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर देशव्यापी आंदोलन का आह्वान किया। नगरपालिका मैदान में सभा को संबोधित करते हुए टिकैत ने किसानों से अपनी जमीन न बेचने और परिवार के कम से कम एक सदस्य को आंदोलन के लिए तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "अगर प्रत्येक परिवार दस दिन आंदोलन के

लिए और बीस दिन खेती के लिए समर्पित करता है तो उनकी जमीन सुरक्षित हो जाएगी।" टिकैत ने दावा किया कि बिहार में किसानों को उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, "पूरे देश में पांपकों के लिए इस्तेमाल होने वाला मक्का बिहार में पैदा होता है, लेकिन वहां के किसानों को केवल 12-14 रुपये प्रति किलो का भाव मिलता है। यही कारण है कि कई किसान बिहार छोड़कर मजदूरी के लिए पलायन कर गए हैं।" उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसान संगठित रहेंगे, तब ही किसान सुरक्षित रहेंगे।



संक्षिप्त सामाचार

सगाई समारोह में पथराव, दो गंभीर घायल

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी के गांव सिकरीदा में एक सगाई समारोह के दौरान पुरानी रॉजिश के चलते हुए पथराव में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चंद्रवीर सिंह के दो पुत्रों की सगाई समारोह के दौरान पड़ोसियों ने अचानक ईट-पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में न केवल आयोजक परिवार बल्कि सगाई में आए रिश्तेदार भी हमले का शिकार हुए। पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें कुछ लोग और महिलाएं पत्थर फेंकते हुए साफदिखाई दे रहे हैं। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित चंद्रवीर सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पड़ोसी इस शादी से खुश नहीं थे और पुरानी रॉजिश के कारण उन्होंने यह हमला किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान के लिए वीडियो फुटेज का विश्लेषण कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले से चली आ रही दुश्मनी इस घटना का मुख्य कारण है।

रिश्तवत लेते लेखपाल

गिरफ्तार, लेखपाल संघ में आक्रोश

बस्ती। जिले में एंटी करप्शन टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर तहसील के लेखपाल वेद प्रकाश दुबे को रिश्तवत लेते हुए गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद जहां एक तरफ लेखपाल संघ ने इसे फर्जी कार्रवाई बताते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। प्रदर्शन के दौरान लेखपाल संघ ने एंटी करप्शन टीम मुर्दाबाद के नारे भी लगाए, वहीं एंटी करप्शन टीम ने दावा किया है कि उनके पास पुख्ता सबूत मौजूद हैं। एंटी करप्शन टीम के अनुसार, वेद प्रकाश दुबे के खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह ट्रेप ऑपरेशन किया गया। हालांकि, लेखपाल संघ का आरोप है कि टीम ने जमीन पर रखे पैसे को जबरदस्ती लेखपाल की जेब में डालकर उन्हें फंसाया है। गिरफ्तारी के बाद से सदर कोतवाली का माहौल तनावपूर्ण हो गया है, जहां लेखपाल संघ के कई सदस्य एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लेखपाल संघ ने एंटी करप्शन टीम मुर्दाबाद के नारे लगाए। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। स्थिति को देखते हुए सदर कोतवाली के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल एंटी करप्शन टीम गिरफ्तार लेखपाल से पूछताछ कर रही है और मामले के हर पहलू की जांच में जुटी है। यह मामला तहसील से जुड़ा होने के कारण स्थानीय लोगों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

कंपनी में किया सुसाइड, पुलिस कंपनी अधिकारी और साथियों से कर रही पूछताछ

नोएडा। थाना फेस-वन क्षेत्र के सेक्टर 9 में स्थित एक कंपनी में काम करने वाले युवक ने गुरुवार सुबह को कंपनी के अंदर बाथरूम में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस कंपनी के लोगों से पूछताछ कर रही है। थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ना ने बताया कि दीप उम्र 32 साल सेक्टर 9 स्थित एक कंपनी में काम करता था। आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि उसने कंपनी के अंदर पंखे से फंदा लगा लिया है। कंपनी का नाम ऑफ़्टैट है। बताया गया कि दीप इस कंपनी में टीम लीडर था। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि युवक की मौत हो गई है।

सेंट जॉर्ज पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिकोत्सव मनाया गया

शकुन टाइम्स संवाददाता

शाहगंज / जौनपुर। नगर के फैजाबाद रोड स्थित सेंट जॉर्ज पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जौनपुर के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जौनपुर के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना ने कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं विद्यालयों में वार्षिक उत्सव होने से बच्चों की प्रतिभा निखर कर सामने आती है कौन बच्चा कितना टैलेंट है उससे पता चलता है कि कार्यक्रम को मुख्य रूप से विक्रम सिंह राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला



सहसंयोजक अभिषेक सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुये उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम से बच्चों की प्रतिभा झलकती है और बच्चों में आगे बढ़ने का उत्साह रहता है कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शाहगंज कोतवाली के कस्बा ईंचार्ज प्रद्युम्न मणि त्रिपाठी द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर

चंचल कुमार जायसवाल ने आए हुए सभी आगंतुओं के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन शैलेश नाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र, छात्राओं के साथ ही उनको अभिभावकों ने मनमोहक कार्यक्रम देखा और जम कर तारीफ की इस आयोजन को सफल बनाने में स्कूल के अध्यापक, अध्यापिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चार दिन पूर्व लापता किशोरी का नहीं लगा सुराग

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के एक गांव से चार दिन पूर्व लापता हुई एक किशोरी का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी। ज्ञानकारी के अनुसार पटरंगा थाना क्षेत्र के एक गांव से 15 वर्षीय एक किशोरी दस फरवरी को पटरंगा स्थित एक विद्यालय में पढ़ने के लिए अपनी स्कूटी से गई थी जब काफी देर तक वापस अपने घर नहीं आई तो घर वालों ने उसे खोजना शुरू किया। इसकी स्कूटी पटरंगा रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी मिली किशोरी के पिता ने पटरंगा थाना पहुंच कर इस सम्बन्ध में एक तहरीर दी पुलिस ने धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रभारी निरीक्षक शशिकांत दावद ने बताया कि किशोरी की तलाश में पुलिस लगी हुई है। शीघ्र ही किशोरी को बरामद कर लिया जायेगा।

प्रभावी भाषण कला विषय पर प्रशिक्षण सत्र एवं कार्यशाला का हुआ आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

शाहगंज / जौनपुर। नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी की ओर प्रभावी भाषण कला विषय पर प्रशिक्षण सत्र एवं कार्यशाला का हुआ आयोजन जौनपुर, शाहगंज नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी की ओर से बुधवार रात प्रभावी भाषण कला विषय पर प्रशिक्षण सत्र एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र में जेसी सदस्यों को भाषण देने की कला और उसके तकनीकी पक्ष के बारे में जानकारी मिली। आखिरी में आउटपुट सेशन में जेसी सदस्यों की बेहतर प्रस्तुति देखने को मिली।

अध्यक्ष दीपा सेठ ने बताया कि जेसीआई का मकसद युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना है। इस कड़ी में सार्वजनिक रूप से बोलने और भाषण देने की कला का विकास होना बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए बुधवार रात प्रभावी भाषण कला प्रशिक्षण पर विस्तार से हुआ। जेसीआई के मंडल प्रशिक्षक



रविकान्त जायसवाल ने जेसी सदस्यों को विभिन्न तरीकों से बेहतर भाषण देने की तकनीक बताई और जरूरी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रोता पर सबसे ज्यादा असर आपकी बॉडी लैंग्वेज का पड़ता है। इस दौरान एक्टिविटी के माध्यम से भी जेसी सदस्यों की भाषण कला को निखारा गया। इस मौके पर मंच पर जाने का तरीका, माइक पकड़ने की तकनीक, खड़े होने का तरीका, बॉयस मॉड्यूलेशन, भाषण सामग्री को तैयार करने की तकनीक पर विस्तार से चर्चा हुई। अंत में सभी प्रशिक्षुओं ने

श्री खाटू श्याम महोत्सव मनाया गया

शकुन टाइम्स संवाददाता

भिर्जापुर। नारायणपुर चौकी के समीप कृष्णा आइस कोल्ड स्टोरेज के प्रबंधक दामोदर शर्मा द्वारा खाटू श्याम महोत्सव का आयोजन रविवार को किया गया। महोत्सव में काशी के प्रसिद्ध खाटू श्याम भक्तों द्वारा संगीत पर महिलाओं पुरुषों बच्चों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। भक्ति की रसधारा में आए सभी भक्त सराबोर हो गए। भक्ति संगीत का कार्यक्रम देर रात चलता रहा। भक्ति संगीत के बाद श्री खाटू श्याम का भव्य आरती पूजन कर फलाहार, मेवा, मिष्ठान का प्रसाद वितरण किया गया। महोत्सव में सभी भक्तों ने खाटू श्याम के



भंडारे का प्रसाद भी बहुत चाव से लिया। महोत्सव में प्रबंधक दामोदर शर्मा ने काशी से संगीतज्ञों को अंगवस्त्र, पुष्प माला पहनाकर स्वागत, अभिनंदन किया। महोत्सव में राकेश सिंह, अभिषेक सिंह, अभिनव सिंह, डा. प्रमोद उपाध्याय, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, डा. सीबी तिवारी, डा. अजित सिंह, संजय मिश्रा, पूर्व प्रधान कांता प्रसाद, कैलाश जायसवाल, केशर सिंह, जनार्दन जायसवाल,

पुलिस चौकी नरायनपुर में आगामी त्योहार को लेकर पीस कमेटी की हुई बैठक

शकुन टाइम्स संवाददाता

भिर्जापुर। नरायनपुर पुलिस चौकी नरायनपुर परिसर में निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा के अध्यक्षता में आगामी त्योहार शब-ए-रात एवं शिवरात्रि त्योहार को सक्षुशल सम्पन्न करने के लिए पीस कमेटी की बैठक बुधवार को हुई जिसमें क्षेत्र के सभी प्रधानगण, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं संभ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे रात के दिन किसी प्रकार का कोई समस्या समाधान किया जा सके। उक्त मौके पर नहीं है।

निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा ने निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा के आलावा बैठक में निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा द्वारा उपस्थित लोगों से आगामी शब-ए-रात एवं शिवरात्रि के सम्बन्ध में जानकारी ली गई।



नरायनपुर के ग्राम प्रधान दीपक

कुमार ने बताया कि शिवरात्रि के दिन

सेवा भारती द्वारा बाल संस्कार केन्द्र नन्दलाल का पूरा में संत रविदास जयंती का हुआ कार्यक्रम



शकुन टाइम्स संवाददाता

मछलीशहर / जौनपुर। मछली शहर के नन्दलाल का पूरा स्थित सेवा भारती द्वारा बाल संस्कार केन्द्र पर संत रविदास जयंती को धूम-धाम से मनाया गया। सर्वप्रथम सेवा भारती विभाग मंत्री कमला हास्पिटल के डायरेक्टर डाक्टर आर बी चौहान ने संत रविदास जी पर माल्यार्पण किया और फिर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान धर्म राज गौतम द्वारा

किया गया और संचालन धर्म राज गौतम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कमला हास्पिटल के डायरेक्टर डाक्टर आर बी चौहान, नगर प्रचारक दिनेश जी, नगर कार्यवाहक प्रचारक लव जी, दिनेश जी, विनोद जी, विष्णु जी, समाजसेवी पप्पू सिद्धीकी, समाजसेवी संतोष तिवारी, समाजसेवी सरफराज खान, कमला हास्पिटल के मैनेजर संजय कुमार सिंह एवं बाल संस्कार केन्द्र के समस्त बालक- बालिकाएं उपस्थित थे।

आंखों की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिये काम करती रहेगी संस्था: आनन्द

हिन्दी भाषी फाउण्डेशन ने 28 लोगों का कराया मोतियाबिन्द का निःशुल्क ऑपरेशन

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। सरपतहां क्षेत्र के ईशापुर स्थित तिलक इण्टर कॉलेज में हिन्दी भाषी फाउण्डेशन द्वारा निःशुल्क शिविर लगाया गया था। जिसमें चिह्नित 28 लोगों का मोतियाबिन्द का निःशुल्क ऑपरेशन कराया गया। बता दें कि बीते 8 व 9 फरवरी को उक्त स्थान पर दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया था। शिविर में 1450 लोगों ने आंखों की जांच करवायी। इस दौरान निःशुल्क चश्मा और दवाइयों वितरित किया गया। संस्थाध्यक्ष आनन्द सिंह बंटी ने बताया कि उक्त शिविर के पहले दिन 8 फरवरी को जिनका जांच में मोतियाबिन्द निकला उन सभी मरीजों को 9 फरवरी को जिले के दिशा आई हॉस्पिटल भेजा गया। सभी का



ऑपरेशन डॉ. वेंकटेश श्रीवास्तव ने सफलतापूर्वक किया। इसके बाद 9 फरवरी को जिनका मोतियाबिन्द निकला उनका 10 फरवरी को ऑपरेशन कराया गया। यह कार्य हिन्दी भाषी फाउण्डेशन के माध्यम से निरन्तर चल रहा है। मरीजों और क्षेत्रवासियों ने हिन्दी भाषी फाउण्डेशन के अध्यक्ष आनन्द सिंह बंटी के इस कार्य की सराहना की है।

संस्थाध्यक्ष श्री बंटी ने कहा कि ऑपरेशन कराकर आने के बाद मरीजों के चहरे की खुशी देखकर मन को शान्ति मिली। मेरा और मेरे कर्मठ साथियों का मनोबल बढ़ गया है। संस्था आगे भी आंखों की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिये काम करती रहेगी और जांच कराकर ज़रूरतमन्दों का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन कराती रहेगी।

बहला फुसला कर किशोरी को भगाने पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

अयोध्या। बाबा बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव से एक 17 वर्षीय किशोरी दूसरे गांव के एक युवक के साथ फरार हो गई किशोरी के पिता ने एक युवक पर अपनी पुत्री को बहला फुसला कर भगाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

पुलिस ने युवक पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी किशोरी के पिता ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी पुत्री को ग्राम नौगवा डीह के प्रेम चंद बहला फुसला कर भगा ले गया तहरीर में बताया कि आरोपी के पिता से जब इसकी शिकायत की तो उन्होंने भेदी भेदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी थानाध्यक्ष बाबा बाजार शैलेन्द्र कुमार आजाद ने बताया कि प्रेम चंद के विरुद्ध धारा 137(2) 352 बी एन एस के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी गई है।

फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन के मैच में गोरखपुर ने अकबरपुर को 2-0 से हराया

कमेटी के अध्यक्ष मनीष सिंह की देख रेख में चल रहा है फुटबॉल प्रतियोगिता

शकुन टाइम्स संवाददाता

शाहगंज / जौनपुर। नगर के स्टाट स्पोर्टिंग क्लब के द्वारा का भव्य फुटबाल टूर्नामेंट श्रीरामलीला मैदान शाहगंज में चल रहा है। जिसमें दूसरे दिन विशिष्ट अतिथियों में डॉ. सरफुद्दीन आजमी, अरशद भाई समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष चंदन जायसवाल जौनपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष आदि अतिथियों का शाहगंज स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष युवा समाजसेवी मनीष सिंह माला पहनाकर स्वागत किया। रामलीला मैदान में चल रहे फुटबाल टूर्नामेंट में पहला मैच गोरखपुर व अकबरपुर के बीच खेला गया इसमें गोरखपुर ने अकबरपुर को 2:0 से हराया दूसरा मैच देवरिया और शाहगंज बीच समाचार लिखे जाने तक



चलता रहा। दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर चलती रही दर्शक मैच देखने के लिए पूरे समय तक मुस्तेदी से डेट रहे हेफरी की भूमिका में दिलबर हुसैन, नसीम अहमद, गुड्डू अहमद, नजर आए कमेंट्री अमेर सैंडी ने की। इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से गौस सरवर खान

, फिरोज खान, पत्रकार मो. कासम उर्फ मन्नू भाई, दिलावर भाई मोहम्मद, राजू, सभासद गणेश चौहान विवेक गुप्ता, के साथ ही ज्ञान सोनकर, बाबर खान आरिफ खान लकड़ सिंह मास्टर बंसराज काका आदि कार्यकर्ता ने मुख्य रूप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे।

डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कानपुर में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स मीट-2025 का आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

कानपुर। फरवरी 25- डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज मकरांबर्दोज कानपुर ने दो दिवसीय मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स मीट 2025 का भव्य आयोजन दिनांक 11 फरवरी 2025 एवम् 13 फरवरी 2025 की संस्थान प्रांगण में आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की निर्देशिका डॉ. गौरी गौर जी ने हवा में गुब्बारे उड़ा कर किया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पोर्ट्स में बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन दिया। जिसमें प्रथम दिन कैरम, चेस, बैडमिंटन, खो खो एवं टेबल टेनिस जैसे खेलों में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं द्वितीय दिन विद्यार्थियों ने क्रिकेट एवं टग ऑफ वार जैसे खेलों में अपनी रुचि दिखाई। संस्थान की निर्देशिका डॉ. गौरी गौर जी ने अपने संबोधन में बताया कि शारीरिक व मानसिक विकास के



लिए खेलकूद का जीवन में बहुत योगदान है, क्योंकि मानसिक व आत्मिक शक्तियों के विकास के लिए खेलकूद जरूरी है और कहा भी गया है स्वस्थ मस्तिष्क का विकास स्वस्थ शरीर से होता है और शारीरिक विकास का आधार खेलकूद है। कार्यक्रम के अंत में संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के हौसले को बढ़ाने के लिए मेहल और

ट्रॉफी को भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के संयोजन में प्रखर तिवारी, मोहित श्रीवास्तव, शिवम कुमार सिंह, अभय सिंह, आशी पांडेय, श्रुति अग्रवाल, स्वेता सक्सेना, तनुश्री बनर्जी, प्रिया मिश्रा, प्रिया वोहरा, श्रेया साहू, सिद्धि गुप्ता, अलका मित्रा, विकास भट्टा, रविन्द्र वर्मा, प्रदीप शुक्ला, आशीष शर्मा एवम् संस्थान के

प्रो. मोहम्मद हबीबुल्लाह एएमयू के धर्मशास्त्र संकाय के डीन नियुक्त

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने सुन्नी धर्मशास्त्र विभाग के प्रो. मोहम्मद हबीबुल्लाह को 15 फरवरी, 2025 से प्रभावी दो साल के कार्यकाल के लिए धर्मशास्त्र संकाय का डीन नियुक्त किया है। प्रो. हबीबुल्लाह 32 वर्षों से अधिक समय से शिक्षण और अनुसंधान में लगे हैं और उन्होंने इस्लामी धर्मशास्त्रीय अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने दो पुस्तकें लिखी हैं और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 2002 में धर्मशास्त्र संकाय की पत्रिका, दरारात-ए-दिनियत के संपादक के रूप में कार्य किया। प्रो. हबीबुल्लाह ने पहले भी कई प्रमुख प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है, जिसमें 2014 से 2016 तक नॉजिम-ए-दिनियत सुन्नी के रूप में उनकी सेवाएं शामिल हैं। वह वर्तमान में सुन्नी धर्मशास्त्र विभाग के अध्यक्ष भी हैं।

समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



फूल की खेती से सुधर रही महिलाओं की जिंदगी

शकुन टाइम्स संवाददाता

बलरामपुर। जिला में गेंदे के फूलों की खेती कर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध बन रही हैं। जिले में 100 बीघे में गेंदा फूल की खेती कराई जा रही है। यह फूल बलरामपुर के अलावा गोंडा के अयोध्या तक भेजी जा रही हैं, इसमें करीब 50 महिलाएं जुड़ी हुई हैं जिले के आठ ब्लॉकों में उद्यान विभाग ने गेंदे के फूलों की खेती कराई जा रही है।



महिला किसानों को बाजार मुहैया कराने के लिए अयोध्या व गोंडा के साथ जिले के 15 मंदिरों को चिह्नित किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को

आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए सदर ब्लॉक में 10, श्रीदत्तगंज में 10, उतरोला में 10, गेंदास बुजुर्ग में 15, रेहरा बाजार में 20, तुलसीपुर में 10, गैसडी में 10 व पचपेडवा में 10 बीघा में समूह की महिलाएं गेंदा फूलों की खेती कर आर्थिक रूप से

तैयार करने के लिए समूह की 15 महिलाओं को रोजगार से जोड़ा है। 100 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गेंदे के फूलों की ग्राम संगठन कार्यालय से बिक्री की जाती है। खेती के फूल देवीपाटन मंदिर के साथ ही पृथ्वीनाथ व छपिया में स्वामी नारायण मंदिर में जाते हैं। नगर के झारखंडी मंदिर, भगवतीगंज स्थित झारखंडेश्वर मंदिर, पेहर माता मंदिर, रानी तालाब स्थित हनुमान मंदिर, वीर विनय चौराहा स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर, मुक्तेश्रधाम मंदिर, समय माता मंदिर, फकड़दास मंदिर, ज्वाला देवी मंदिर, महाशक्ति मातेश्वरी देवी मंदिर, श्रीराम-जानकी मंदिर भगवतीगंज में भी बिक्री के लिए पहुंचाएं जाएंगे।

शिक्षकों के 4 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन



शकुन टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। तमकुही विकासखंड के कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यालयों के शिक्षकों का 4 दिवसीय हेल्थ वेलनेस प्रशिक्षण सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों के स्वस्थ जीवन शैली उनके भावनात्मक, मानसिक हनुमानगढ़ी मंदिर, मुक्तेश्रधाम मंदिर, समय माता मंदिर, फकड़दास मंदिर, ज्वाला देवी मंदिर, महाशक्ति मातेश्वरी देवी मंदिर, श्रीराम-जानकी मंदिर भगवतीगंज में भी बिक्री के लिए पहुंचाएं जाएंगे।

इंटरनेट मीडिया के सुरक्षित उपयोग, हिंसा व चोट के विरुद्ध सुरक्षा, पोषण स्वास्थ्य व स्वच्छता पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डाला। समापन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) तमकुही सुधीर कुमार, डा मधुसूदन मिश्र, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ मंत्री अंजनी सिंह, एआरपी संतोष प्रसाद ने प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर पूर्व बीआरसी मिनहाज अहमद सिद्दिकी, काशीनाथ चतुर्वेदी, आलोक पटेल, रामसागर प्रसाद, नवनीत तिवारी, कृपा प्रसाद, नीरज प्रसाद आदि रहे।

पासी स्वाभिमान एकता सम्मेलन 18 फरवरी को



शकुन टाइम्स संवाददाता

फरेंदा। 18 फरवरी को महाराज स्थित पी जी कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित पासी स्वाभिमान एकता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने ताकत झोंक दी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश पासवान होंगे। ब्लॉक प्रमुख सुनील पासवान अमरमणि पासवान भोला पासवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भगवानपुर खुजुरिया रामनगर ब्रत गड़ा झवा कोर्ट फरेंदा मथुरा नगर लालपुर सोना बनी धानी ब्लॉक झग

पार वृजमनगंज हरिया महुआ मूवी सफाई सिंह पुर टाली समरधीरा जलालगढ़ पासी समाज के कार्यकर्ता ने आदि गांव में बैठक कर अपने अधिकारों की बात कर पासी समाज में उपलब्धियां गिनाई और सम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों को पहुंचने की अपील की इस दौरान पासी समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष रामप्रति पासवान रामबचन पासवान जोगी पासवान शिवनाथ पासवान पिंटू पासवान सोनू पासवान प्रमोद पासवान ग्राम प्रधान सोनबरसा आदिलो मौजूद रहे।

छह महीने पर जरूर कराएं दांतों की जांच

कृष्णा महिला पीजी कालेज में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

महाराजगंज। पनियरा विकास खंड के अंतर्गत गुरुवार को राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कृष्णा महिला पीजी कालेज बड़वार के सभागार में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा टोटल 73 छात्राओं के दांतों की जांच की गयी, इनमें से 30 छात्राएं दांत की विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मिलीं। सभी को इलाज के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय महाराजगंज रेफर किया गया। शिविर में दांत के संबंध में निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। शिविर में टीम लीडर डॉ. महबूब अहमद के नेतृत्व में डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. पूनम यादव ने छात्राओं के दांतों की जांच किया। उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. मकबूल अहमद ने कहा कि दांत को स्वस्थ रखने के लिए दिन में दो



बार ब्रश जरूर करें। सोने से पहले ब्रश करना न भूलें। अपना ब्रश हर दो महीने में बदल दिया करें। हर छह माह से एक साल के अंदर दांतों की सफाई अपने दंत चिकित्सक से जरूर कराएं। उन्होंने डेमो करके ब्रश करने का तरीका भी बताया।

दंत चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. पूनम यादव ने बताया कि दांत में दर्द हो, मसूड़ों से खून बहे, दांत हिलने लगे, मूख से दुर्गंध आए, दांतों के रंग में बदलाव आए, दांत

सिर कटे गोवशियों के मिले अवशेष, जनमानस में रोष

घूरछपरा गाँव के मनिया छापर गन्ने की खेत में दो गोवशियों की मिला सिर व अवशेष। शकुन टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। जिले के जटहा बाजार थाना क्षेत्र के घूरछपरा गाँव के मनिया छापर टोले पर एक गन्ने की खेत से दो गोवशियों के धड़ से अलग कटा सिर मिलने से क्षेत्रीय जनमानस में काफी रोष व्याप्त है। मौके पर पहुंचे हिन्दूवादी नेताओं ने सम्बन्धित थाने की पुलिस को घटना के बावत शख्त कार्रवाई किये जाने की बात कही।



जानकारी के अनुसार उक्त गाँव के मनिया छापर टोला निवासियों मुखुत कुशवाहा व सुरेश गिरी के गन्ने की खेत में गाय के बछड़ों के धड़ से अलग कटा सिर मिलने से क्षेत्रीय जनमानस में काफी रोष व्याप्त है। मौके पर पहुंचे हिन्दूवादी नेताओं ने सम्बन्धित थाने की पुलिस को घटना के बावत शख्त कार्रवाई किये जाने की बात कही।

सम्बन्धित घटना में शामिल अभियुक्तों को चिह्नित कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने की एसओ जटहा को निर्देशित किया। इस सम्बन्ध में सीओ सदर पड़रौला अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया कि सम्बन्धित घटना में अभियोग पैंजिकृत की जा रही है तथा शामिल अभियुक्तों को चिह्नित कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की शख्त हद्दायत पुलिस को दी गयी है।

अवैध मिट्टी खनन में ट्रैक्टर ट्राली सीज



शकुन टाइम्स संवाददाता

मछलीगाँव / कैम्पियरगंज। मछलीगाँव में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई भोर में राजस्व टीम को लगाया गया था जिसकी सूचना जिले के आला अधिकारियों को मिला था मछलीगाँव में बहुत पहले से अवैध मिट्टी खनन कर मिट्टी को अधिक मूल्य पर बिक्री किया जा रहा था जिसकी शिकायत किसी जिम्मेदार व्यक्ति ने जिले पर पहुंचाया जिले से निर्देशित किया गया तहसीलदार कैम्पियरगंज को

निगरानी कर अवैध मिट्टी खनन की जिम्मेदारी दी गई तहसीलदार ने पुलिस चौकी मछलीगाँव व हल्का लेखपाल हेमंत शुक्ला को लगाया गया जो की सुबह से अवैध मिट्टी खनन करने वालों को पकड़ने के लिए हल्का लेखपाल हेमंत शुक्ला ने अपने मुखविर को सक्रिय किया जिसका परिणाम अवैध मिट्टी से लगी हुई ट्रैक्टर ट्राली मछलीगाँव रोड पर पकड़ी गई जिससे पुलिस एवं राजस्व टीम द्वारा अवैध मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्राली को सीज किया गया।

जातक कथाओं में प्रबन्ध शास्त्रीय तत्व विषयक व्याख्यान संपन्न

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा बुधस्मितीवार को भारतीय संस्कृति अभिरूचि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सप्त दिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के द्वितीय दिवस जातक अट्टकथाओं में प्रबन्ध शास्त्रीय तत्व विषय के मुख्य वक्ता डॉ. जसवीर सिंह चावला रहे। कार्यक्रम का अध्यक्षता प्रोफेसर (डॉ.) मालविका रंजन, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, बीएचयू वाराणसी व संचालन रीता श्रीवास्तव, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन कलाकार ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. जसवीर सिंह चावला ने विषय प्रवर्तन करते हुए पर कहा कि जातक कथाएं भगवान बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएं नहीं हैं। सच कहा जाए तो जातक दुनिया का सबसे



पुराना प्रबंध शास्त्र का ग्रंथ है जो पाली भाषा में लिखा गया। जातक के 6 खंडों में उपलब्ध 547 अट्टकथाओं पर इतना दावे के साथ कहा जा सकता है कि बुद्धघोष ने इन्हें प्रबंध के काम में लाई जाने वाली उदाहरण कथाओं के रूप में लिखा था। हर जातक कथा के पांच भाग होते हैं। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ और मुख्य वक्ता को संग्रहालय की ओर

से उप निदेशक डॉ. यशवन्त सिंह राठौर ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रतिभागियों, अभिभावकों, मीडिया का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. सुजाता गौतम, डॉ. माण्डवी राठौर, डॉ. रेखारानी शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार त्रिपाठी, शिवनाथ, वैभव सिंह, सुपमा श्रीवास्तव सहित शताधिक लोग उपस्थित रहे।

विदाई समारोह में भावुक हुए छात्र-छात्राएं



शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पंडित त्रिलोकी नाथ त्रिपाठी किसान इंटर कॉलेज आभूराम तुर्कवलिया गोरखपुर में कक्षा 12 के छात्र छात्राओं के विदाई समारोह के अवसर पर सभी भावुक हो गए। विद्यालय के प्रबंधक इंजि एन त्रिपाठी ने कहा कि छात्र छात्राओं को शिक्षा को जीवन में सर्वोपरि स्थान देना चाहिए और अनुशासन में रहना चाहिए, तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं है। विद्यालय के

प्रधानाचार्य डॉ अशोक कुमार द्विवेदी ने कहा कि छात्र ही किसी विद्यालय के प्राण होते हैं और उनका उज्ज्वल भविष्य ही शिक्षक के जीवन का उद्देश्य होता है। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों ने भी संबोधित किया और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी टी सी कॉलेज के प्राचार्य डॉ के एम पाठक ने भी अपनी शुभकामनाएं दी और जीवन में कर्मशील बने रहने की सलाह दी।

हीरक जयंती समारोह न केवल गोरखपुर विश्वविद्यालय अपितु पूरे गोरखपुर परिक्षेत्र का उत्सव है: प्रोफेसर पूनम टंडन

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अपनी 75वीं वर्षगांठ पर हीरक जयंती समारोह की भव्यता एवं सार्थकता हेतु वृहद स्तर पर तैयारियां कर रहा है। सी सिलसिले में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय का 75 वर्ष न सिर्फ विश्वविद्यालय के लिए, बल्कि पूरे गोरखपुर परिक्षेत्र के लिए एक उपलब्धि एवं उत्सव है। यह जितना हमारा समारोह है, उतना ही गोरखपुर परिक्षेत्र का भी। हीरक जयंती समारोह का हमारा लक्ष्य है कि विश्वविद्यालय के साथ गोरखपुर का नागर समाज भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले। शहर के अधिकांश परिवारों का कोई न कोई सदस्य गोरखपुर विश्वविद्यालय का पुरातन छात्र रहा है। इस दृष्टि से पूरा शहर



विशाल विश्वविद्यालय परिवार का अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए गर्व से भरा यह वर्ष और समृद्ध विरासत जितनी हमारी है, उतनी ही समाज की भी। इसी व्यापक दृष्टि के तहत हम एक तरफ सेमिनार, विविध प्रतियोगिता- सांस्कृतिक व खेल

स्पर्धा के साथ-साथ पुरातन छात्र सम्मेलन इत्यादि कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्राइमरी से लेकर इंटर तक के बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहे हैं। बच्चों का यह कार्यक्रम प्रथमतः ब्लॉक स्तर और फिर जिला स्तर पर संपन्न होगा। इसमें

विजयी प्रतिभागियों को मुख्य समारोह के दौरान राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सामाजिक जिम्मेदारी के तहत हमारा सबसे महत्वपूर्ण योगदान सर्वोदकल कैंसर वैक्सिनेशन का होगा। इसके लिए हमने 2000 वैक्सिनेशन का लक्ष्य रखा है। सर्वप्रथम दस कस्तूरबा स्कूल की बच्चियों को चिह्नित कर माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की गरिमामय उपस्थिति में इसका शुभारंभ किया जाएगा। गोरखपुर शहर के प्रतिष्ठित नागरिक शिवशरण दास जी ने 50 बच्चियों के वैक्सिनेशन की जिम्मेदारी ली है। शहर के लोग आगे बढ़कर सहयोग कर रहे हैं। यह वैक्सिनेशन कार्यक्रम गोरखपुर तक ही नहीं थमेगा। हम इसे देवरीया और कुशीनगर तक भी ले जाएंगे। हम विद्यालयों के साथ

महाविद्यालयों को भी इस जयंती वर्ष समारोह के अंतर्गत जोड़ रहे हैं जिसमें लगभग 12 लाख छात्र-छात्राएं हैं। *शिक्षक बनाम कर्मचारियों के बीच 20 क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जा रहा है। यदि पत्रकार-गण की टीम तैयार होती है तो एक क्रिकेट मैच शिक्षक और पत्रकारों के बीच भी होगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के 75 वर्ष के इतिहास को लेकर एक भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। छात्रवासों के बीच खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिता चल रहे हैं। प्रो. सुरेंद्र दुबे के नाटक उठो अहिल्या का मंचन होगा। हम गोरखपुर विश्वविद्यालय के गौरवशाली 75 वर्ष पर 75 कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हीरक जयंती वर्ष पर डाक टिकट, एक क्राइड के स्मारिका, डॉक्यूमेंट्री, थीम सॉनिंग,

काँफी टेबल बुक एवं विशिष्ट एलुमिनाई (पुरातन विद्यार्थी) को सम्मानित करेंगे। इसके अंतर्गत एक सोवनीयर शॉप की भी स्थापना की जा रही है। इससे विश्वविद्यालय के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर केंद्रित स्मृति चिन्हों को प्राप्त किया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गोरखपुर विश्वविद्यालय के गौरवशाली हीरक जयंती वर्ष पर समारोह केलेडर व लोगों जारी किया गया। उन्होंने बताया कि हीरक जयंती वर्ष का श्रेय वाक्य प्रतार्यायुः प्रतरं नवीयः है। इस दौरान हीरक जयंती समारोह की संयोजक प्रोफेसर नंदिता आईपी सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान सभी सम्मानित पत्रकारों तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों आदि का स्वागत किया तथा प्रेस वार्ता संपन्न होने पर सभी के प्रति आभार प्रकट किया।





शादी समारोह में घुसा तेंदुआ तो अखिलेश ने बोला हमला

तेंदुआ नहीं 'ओवरसाइज बिल्ला' था, कहकर घटना पर पर्दा डाल देगी सरकार

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के बुद्धेश्वर इलाके में स्थित एमएम मैरिज लॉन में एक शादी समारोह के दौरान रात करीब 10रु30 बजे तेंदुआ घुसने के बाद हड़कंप मच गया। लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम को कड़ी मशकत के बाद देर रात करीब 3 बजे तेंदुआ पकड़ने में सफलता मिली।

इस दौरान तेंदुए के हमले से वन विभाग के दुरोगा समेत कई लोग घायल भी हो गए। अब इस मामले पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि यूपी को



कसा है। उन्होंने आवारा पशुओं से लेकर अब जंगली जानवरों के शहर में घूमने पर तंज कसा। साथ ही, तेंदुए का नाम बदलने का भी सुझाव दे दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि यूपी को

सरकार में भ्रष्टाचार का एक रूप ये भी है कि जंगलों में इसनाओं का अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में हिंसक जंगली जानवर भोजन की तलाश में जंगलों से निकलकर शहरों की तरफ आने को मजबूर हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इस प्रकार के मामले से आम जनमानस का जीवन खतरे में पड़ गया है। उन्होंने सवाल किया कि इस मामले में कोई कार्रवाई होगी? या सरकार यह कहकर इस घटना पर पर्दा डाल देगी कि वो तेंदुआ नहीं 'ओवरसाइज बिल्ला' था। तंज भरे अंदाज में अखिलेश ने कहा कि यह भी हो सकता है तेंदुए का नाम बदलकर 'बड़ा बिल्ला' रख दिया जाए और मामला रफ्त-दफ्त कर दिया जाए।

कमिश्नर ने लोहिया पार्क ग्रीन कॉरिडोर का निरीक्षण किया

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब ने गुरुवार को लोहिया पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क की साफ-सफाई को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए और कहा- पार्क में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान निर्माणधीन कैटेन का भी जायजा लिया गया। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इसे तय समय में पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कैटेन एक साथ बंद न कराई जाएं। कुछ कैटेन चालू रहें, ताकि पार्क में आने वाले लोगों को जलपान और पेयजल की सुविधा मिल सके। साथ ही, उन्होंने पार्क में हरियाली और फूलों की बेहतर व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। इसके बाद, मंडलायुक्त ने ग्रीन कॉरिडोर (कुकुरेल ब्रिज) के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक की प्रगति की जानकारी ली।

शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट के टीबी मुक्त भारत अभियान में जीएस मेडिकल ने भी बढ़ाया कदम

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापड़। गढ़ रोड स्थित शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत सिंह व संयोजक कपिल कुमार ने टीबी मुक्त भारत अभियान में जीएस मेडिकल इंस्टीट्यूट के डिप्टी डॉक्टर मनोज कुमार से की बातचीत जहां पर ट्रस्ट के टीबी मुक्त अभियान में उन्होंने भी अपना कदम बढ़ाया, ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि जीएस मेडिकल इंस्टीट्यूट के डिप्टी डॉक्टर मनोज कुमार ने ट्रस्ट के टीबी मुक्त अभियान की जमकर काफी सहायता की और उन्होंने बातचीत कर ट्रस्ट के सभी कार्यो को सुनकर काफी खुश हुए, उन्होंने बताया कि डॉक्टर मनोज कुमार हमारे ट्रस्ट के सभी कार्यो से काफी खुश हुए, जहां पर शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन सो दिवसीय सघन टीबी अभियान के कार्यक्रम लगातार



आगे भी चलते रहेंगे, जहां पर हमारे ट्रस्ट के सभी सदस्य अपने कार्य को लेकर लगातार क्षय रोग के प्रति जागरूक करते हैं।

तथा इसके प्रति सावधानी बरतने के लिए प्रेरित भी करते हैं, जहां पर हमारे ट्रस्ट लगातार क्षय रोगियों को आहार वितरण भी कर रही है और आगे भी करती रहेगी, हमारे ट्रस्ट का नारा है भारत देश हमारा हो टीबी मुक्त

देश हमारा, संयोजक कपिल कुमार ने बताया कि शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट लगातार आमजन मानस से मिलकर चल रही है।

और लगातार जनपद से टीबी मुक्त भारत अभियान में शासन प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है बहुत जल्द हमारा जनपद टीबी मुक्त होगा हमारे जनपद के अधिकारियों का जल्द ही सपना पूरा होगा।

बाबूगढ़ थाने का किया एसपी ने वार्षिक निरीक्षण, तो पुलिस के छूटे पसीने

बाबूगढ़ पुलिस ने धरातल पर देश की शान को सजाया फूलों की कलियों से रंगोली द्वारा

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापड़। के एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने किया थाना बाबूगढ़ का वार्षिक निरीक्षण, जहां पर थाना बाबूगढ़ थानाध्यक्ष विजय गुप्ता अपने पूरे थाना पुलिस के साथ रहे मौजूद, वार्षिक निरीक्षण के दौरान एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह को पहले गार्द की सलामी ली गई।

उसके उपरांत थाना बाबूगढ़ के कार्यालय के अभिलेख, अपराध रजिस्टर आदि का अवलोकन कर कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, बैंकर, भोजनालय मैस, माल खाना, बंदीगृह, शास्त्रागार, अभिलेखों की साफ सफाई आदि निरीक्षण के दौरान एसपी ने परखी, जहां पर एसपी ने सभी चीज की बारीकी से जांच पड़ताल की, तो वहीं थाने की सब इंस्पेक्टर शालिनी, मनीषा, आयशा, सतवाना ने थाना बाबूगढ़ में वार्षिक निरीक्षण के दौरान बने एक कलर के



द्वारा पेंटिंग जो धरातल पर बनाई गई थी, जो काफी सराहनीय और थाने को चार चांद लग रही थी, जहां पर थाने के अंदर सब इंस्पेक्टरों द्वारा थाने के अंदर हमारे देश की शान तिरंगे को फूलों के द्वारा चारों तरफ से सजा रखा था, तो वही हापड़ एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने वार्षिक निरीक्षण के दौरान साफ सफाई आदि को थाने में चेक किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कक्षा 12 के बच्चों की फेयरवेल, विद्यालय के प्रधान सेवक धर्मवीर शर्मा हुए भावुक

बच्चे विद्यालय का परिवार हैं, बड़ा दुख हुआ आज जो बच्चे परिवार को छोड़कर जा रहे हैं: अंजू शर्मा

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापड़। गुरुवार को सिंहावली ब्लॉक के अंतर्गत लगने वाले बाबा रामदास उदासीन इंटर कॉलेज में हुई 12वीं क्लास के बच्चों की फेयरवेल पार्टी, तो बच्चों ने भी की जमकर मस्ती डीजे के सामने, बता दें कि सुबह से ही बच्चे लगातार पार्टी इजाजत करते हुए नजर आए जहां पर पहले बच्चों को विद्यालय प्रधान सेवक के निर्देश पर टिका कराया गया, कार्यक्रम शुरू होने से पहले मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जहां पर विद्यालय के प्रधान सेवक धर्मवीर शर्मा, प्रिंसिपल पंकज शर्मा, मंजू शर्मा ने बच्चों की शिक्षा को लेकर की जमकर सराहना, तो वही विद्यालय के प्रधान सेवक धर्मवीर शर्मा ने बताया कि इस विद्यालय को लगभग 45 साल हो चुके हैं और एक-एक ईट के अंदर बच्चों का भविष्य है इस विद्यालय को यहां तक



लाने के लिए मैंने दिन-रात एक किया, विद्यालय चाहता है कि इस विद्यालय के बच्चे जनपद तथा देश का नाम इसी तरह रोशन करते रहे

तथा अपने मां-बाप का नाम सुन रहे शब्दों में नाम रोशन कराएं, तो वही विद्यालय के प्रिंसिपल पंकज शर्मा ने बताया कि हमारा आशीर्वाद प्यार

संक्षिप्त समाचार

किसान न्याय पद यात्रा का व्यापारियों ने किया स्वागत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में किसान पद यात्रा में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। गुरुवार को यात्रा की शुरुआत मोहनलाल गंज ब्लॉक से हुई और दोपहर लगभग दो बजे कल्ले पश्चिम बाजार पहुंची। यहां प्रदेश कार्यालय प्रभारी मोनिस खान ने व्यापारियों और कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट की दस दिवसीय गरीब किसान न्याय पद यात्रा ने तीसरे दिन 52 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। यात्रा की अगुवाई कर रहे प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा और लखनऊ जिलाध्यक्ष अनुरेद्र कुमार अन्नू का पुष्पमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। यात्रा का अगला पड़ाव कल्ले, सभा खेड़ा, पीजीआई, मवेया और उतरठिया में होगा। यहां व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित सक्सेना और चंदन गुप्ता अपनी टीम के साथ स्वागत करेंगे। इसके बाद यात्रा बिजनौर होते हुए सरोजनी नगर तहसील पहुंचेगी, जहां बीस किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद रात्रि विश्राम किया जाएगा। यात्रा में फ़इम, अनस, जपर, आदिल, पोल्तु यादव (जिला सचिव), अमित कुमार, राकेश, दानिश सहित सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों के साथ शामिल रहे। यह पद यात्रा किसानों की न्याय की मांग को लेकर आयोजित की जा रही है।

एल्यू के छात्रों ने प्रशासनिक भवन को घेरा, स्कॉलरशिप को लेकर धरने पर बैठे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एल्यू के स्टूडेंट सुबह से प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों का एक गुट प्रशासनिक भवन को घेर कर बैठा है। छात्रों का हनन हुआ तो...लखनू बहेगा सड़कों पे...। जैसे स्लोगन की जमकर नारेबाजी की जा रही है। इनका का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा स्कॉलरशिप को लेकर तुंगलकी आदेश जारी किया जा रहा। इससे साफतपत चल रहा है कि छात्रों का शोषण करना ही इनका मकसद है। प्रदर्शन के दौरान जुटे छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी-नहीं चलेगी को लेकर नारेबाजी होती रही। सुबह 11 बजे के करीब शुरू हुए इस प्रदर्शन में लाल टोपी लगाए समाजवादी गुट से जुड़े छात्रों ने जमीन पर बैठकर कर धरना दिया। एक घंटे तक प्रदर्शन के बाद मौके पर रजिस्ट्रार पहुंचे। छात्रों ने उन्हें अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा और विश्वविद्यालय प्रशासन से पूर्व के जारी आदेश को निरस्त करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का दावा है कि मौके पर रजिस्ट्रार ने आदेश वापस लेने की बात कही और शासन से अनुमति लेकर स्कॉलरशिप की डेट बढ़ाना का भी भरसा दिया।

कब्रिस्तान में रोशनी कर पूर्वजों के लिए दुआ की

लखनऊ। मुस्लिम समाज ने गुरुवार को शब-ए-बरात पर पूर्वजों को याद किया। दिन और रात में खुदा की इबादत की। देर रात तक पूर्वज और मरहूमों की मगफ़रत की दुआ मांगी। नफील नमाज पढ़ी। लोगों ने कब्रिस्तान में मरहूम के लिए दुआ की। अपने गुनाहों की माफी मांग कर शहर में अमन-चीन की दुआ मांगी। रोजा भी रखा। मस्जिदों में रात भर इबादत की। इस मौके पर मस्जिदों में विशेष नमाज भी हुई। धार्मिक मान्यता अनुसार मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूमों की कब्र पर पहुंचकर इसाल-ए-सबाब के लिए कुरान की तिलावत की।

अभय सिंह की विधायकी पर सुनवाई 20 फरवरी को

लखनऊ हाईकोर्ट ने सरकारी वकील से रिपोर्ट मांगी, दो जजों का अलग-अलग था फैसला

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ हाईकोर्ट में गुरुवार को समाजवादी पार्टी के विधायक अभय सिंह के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजन राय को एकल पीठ ने सरकारी वकील को मामले से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण रिपोर्ट अगली सुनवाई में प्रस्तुत करने के आदेश दिए। वहीं अगली सुनवाई 20 फरवरी को निर्धारित की है। न्यायमूर्ति राजन राय को एकल पीठ के समक्ष लगातार दूसरे दिन सुनवाई जारी रही। बुधवार को पीठित पक्ष ने अपनी बहस पूरी कर ली थी, लेकिन समय की कमी के कारण अभियुक्त पक्ष की ओर से बहस अधूरी रह गई थी। यह मामला 2010 का है, जब अयोध्या के महाराजगंज थाने में विकास सिंह ने अभय सिंह और उनके साथियों पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया था। मामला बाद में अंबेडकर नगर कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया।



2023 में अंबेडकर नगर एमपी, एमएलए कोर्ट ने सुनवाई के बाद अभय सिंह समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया। इसके बाद विकास सिंह ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामला हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में पहुंचा, जहां 20 दिसंबर 2024 को दो अलग-अलग फैसले सामने आए।

जस्टिस एआर मसूदी ने अभय सिंह समेत पांच आरोपियों को तीन साल की सजा सुनाई और जमाना लगाया। वहीं, जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें बरी कर दिया। इन विरोधाभासी फैसलों के कारण यह मामला न्यायिक उलझन में पड़ गया और इसे चीफ जस्टिस अरुण भंसाली की बेंच को सौंपा गया।

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापड़। गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के माओ सदस्य श्रीमती मीनाक्षी भराला जी की अध्यक्षता में मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस सभागार में जनसुनवाई का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जनपद में हिंसा से पीड़ित 18 महिलाओं की जनसुनवाई की गई जिसमें पारिवारिक विवाद, देहज उत्पीड़न, मारपीट संबंधित, महिलाओं के केस आए जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य महोदया द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं जनसुनवाई में जनपद के उच्च, उप जिला अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, क्षेत्राधिकार नगर, महिला थाना प्रभारी, पंचायती राज विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रवेशन अधिकारी, के साथ समस्त अधिकारी



उपस्थित रहे। शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात माशरसदस्य महोदया द्वारा आर्य कन्या पाठशाला एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालय का अचेक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला प्रवेशन

एलटी ग्रेड शिक्षकों का प्रदर्शन, माध्यमिक शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय का किया घेराव

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गवर्नमेंट इंटर कॉलेज (जीआईसी) में एलटी ग्रेड पर चर्चित शिक्षक अभ्यर्थियों ने एक बार फिर जोरदार प्रदर्शन किया। इन अभ्यर्थियों का आरोप है कि रिजल्ट जारी हुए करीब 2 साल होने को है पर अभी तक सेलेक्टेड अभ्यर्थियों को तैनाती नहीं मिल सकी है।

ऐसे में इनके पास अब आर पार के आंदोलन के अलावा कोई अन्य रास्ता नहीं बचा है। गुरुवार को कई जनपदों से आए इन अभ्यर्थियों ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिविर कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की हुई। प्रदर्शन में चयनित महिला अभ्यर्थी भी मौजूद रही। अभ्यर्थियों का कहना है कि एलटी ग्रेड 2018 का परिणाम 28 जून 2023 को घोषित किया था। लोकसेवा आयोग ने चयनित सभी अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट

वेरिफिकेशन 17 जुलाई से 24 जुलाई 2023 के बीच किया। रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय प्रयागराज को भी भेजी गई, लेकिन अभी तक नौकरी नहीं मिली। अभ्यर्थी निशि सिंह का कहना है कि 2 साल हो गए रिजल्ट निकले हुए, पर अभी तक सेलेक्टेड अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं जारी किया गया। विभाग की तरफसे अभी तक कुछ नहीं किया गया है। जब जाते हैं तो दो दिन, चार दिन, 15 दिन कहकर टाल दिया जाता है।

अब बिना जॉइनिंग लेटर लिए यहां से नहीं जाएंगे। अभ्यर्थी जय सिंह ने बताया कि जीआईसी-एलटी के रिजल्ट में चयनित होने के बाद भी नियुक्ति नहीं दी जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के जनता दरबार में भी कई बार अपनी गुहार लगा चुके हैं। पर अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में अब सिर्फ धरना और प्रदर्शन भी हमारे पास है।





सम्पादकीय

टैरिफमें बढ़ोतरी के ट्रंप के फैसले से

भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं

वर्तमान में भारत को निर्यात आर्थिक वृद्धि के लिए अमेरिका प्रमुख उत्प्रेरक है। यह भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। निर्यात वृद्धि का प्रक्षेपक्रमत वर्षों में यदा-कदा नहीं रहा है। अमेरिका एक दशक से अधिक समय से लगातार भारतीय माल का सबसे बड़ा आयातक रहा है। यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-2020) के दौरान भी, निर्यात में समग्र वृद्धि बरकरार रही, हालांकि ट्रंप का संरक्षणवाद था। अमेरिका को निर्यात ने भारत की बाहरी अर्थव्यवस्था के लिए साल-दर-साल प्रगतिशील विकास के बीज बोये, जिससे भारत के बड़े आयातों में काफी हद तक संतुलन बना रहा। भारत के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 2013-14 में 12.4 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 17.7 प्रतिशत हो गयी। इस संबंध में, ट्रंप के भयंकर टैरिफयुद्ध और आब्रजन विरोधी नीति के साथ भारत की अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता चिंताजनक संकेत देती है। फिर भी, स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितनी बताई जा रही है। लचीलेपन के लिए जिम्मेदार कारक निर्यात बास्केट और उचित लागत पर अपरिहार्य गुणवत्तापूर्ण भारतीय आईटी सेवाएँ हैं। निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि, ट्रंप के अहंकार को रोकती है, तथा निर्यात बास्केट में उत्पाद विशेषताओं को जिम्मेदार ठहराती है। वे हीरे, रेडीमेड वस्त्र, वस्त्र, दवाएँ और फर्मास्यूटिकल्स और पेट्रोलियम रिफ़ाइनरी उत्पाद हैं। निर्यात बास्केट में इनमें से अधिकांश उत्पादों पर, ट्रंप का उच्च टैरिफ़उत्पाद पड़ सकता है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ता निराशा में पड़ सकते हैं और उन्हें उच्च कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, हीरे और अर्ध-कीमती पत्थर, वस्त्र और रेडीमेड वस्त्र वे उत्पाद हैं, जो अमेरिका को भारत के निर्यात बास्केट का लगभग पांचवां हिस्सा हैं। इनमें से किसी भी उत्पाद समूह में, अमेरिकी निवेशक न तो निवेश करने के लिए उत्सुक हैं और न ही उनके पास प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उत्पादन करने का कोशल है। भारतीय हीरों का प्रवेश मानवीय क्षमता पर निर्भर करता है, जिसके लिए कारीगरों के कई वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है। भारत को छोटे हीरों की कटाई और पॉलिशिंग के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में जाना जाता है। वे आकार और ग्रेड में विविध रेंज के साथ कम श्रम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले अच्छी तरह से कटे हुए हीरे का उत्पादन करते हैं। जटिल डिजाइन, कुशल शिल्प कौशल, कम कीमत, शैलियों की बड़ी विविधता और विविध समुदायों से आने वाले विविध डिजाइन और फैशन जैसे कारकों के संयोजन के कारण भारतीय परिधान यूएसए में लोकप्रिय हैं। भारतीय परिधान अपने जटिल पैटर्न, कढ़ाई और रेशम और कपास जैसे विविध कपड़ों के कारण वियतनामी और चीनी परिधानों की तुलना में अधिक पसंद किये जाते हैं, जो एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। तेल रिफ़ाइनरी उत्पाद, दवाएँ और फर्मास्यूटिकल्स भारत के संयुक्त राज्य अमेरिका को कुल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। 2023-24 में वे भारत के अमेरिका को कुल निर्यात के लगभग 19 प्रतिशत थे।

भारतीय तेल रिफ़ाइनरी उत्पादों को अमेरिका में अन्य देशों के मुकाबले इसलिए पसंद किया जाता है क्योंकि वे सस्ते रूसी तेल के कारण किफ़ायती होते हैं। प्रतिबंध के बाद, रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि वैश्विक कीमत 80 से 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। जाहिर है, ट्रंप के संरक्षणवाद का पिछला अनुभव खतरे को कम करेगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-20) के दौरान, जीएसपी योजना (सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली) के तहत विशेष दर्जा वापस लेने और स्टील और एल्युमीनियम पर उच्च टैरिफ़लागाने से भारत से निर्यात कम नहीं हुआ। संयोग से, इस अवधि में जीएसपी लाभ की चमक फ़ीकी पड़ गयी। यह अमेरिका को भारत के निर्यात का 2 प्रतिशत था। भारत वर्तमान में अमेरिकी बाजार में फर्मास्यूटिकल उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक और रेडीमेड कपड़ों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। सन् 2022 में, यह फर्मास्यूटिकल उत्पादों के कुल आयात का 5.5 प्रतिशत और 2023 में अमेरिकी बाजार में रेडीमेड कपड़ों के कुल आयात का 7 प्रतिशत हिस्सा था। जेनेरिक दवाओं के लिए अमेरिकी एंटीबायोटिक्स जैसे मानक नुस्खों पर निर्भर हैं, जो मुख्य रूप से विकासशील देशों से प्राप्त होते हैं, जहां उत्पादन लागत कम है, जैसा कि कॉलिशन फ़ॉर ए प्रॉस्पेरेस अमेरिका का कहना है। फिर भी, भारत चीन पर बढ़त रखता है। हालांकि, चीन अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट्स और दवाओं और फर्मास्यूटिकल्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारत को बढ़त देगा। इससे भारत को अमेरिका में चीनी बाजार में हिस्सेदारी कम करने का लाभ मिलेगा। इस उद्देश्य के लिए, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारतीय निर्यातकों के लिए भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क में वृद्धि के प्रभाव को संतुलित करने के लिए लाभकारी हो सकता है। बांग्लादेश के निर्यात में उथल-पुथल भारत के लिए टैरिफ़प्रभावित परिधान निर्यात से निपटने का एक और कारक होगा। बांग्लादेश अमेरिका के बाजार में परिधानों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो परिधानों के आयात का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा साझा करता है। अमेरिका को आईटी सेवाओं के निर्यात में भारत ने बड़ा हिस्सा प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। 2023 में, भारत का अमेरिका को आईटी सॉफ़्टवेयर का निर्यात 320 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत से कुल सॉफ़्टवेयर निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 55.5 प्रतिशत थी। आब्रजन पर प्रतिबंध भारत के सॉफ़्टवेयर निर्यात के लिए बड़ा खतरा बन गया है। भारत एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी है।



जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ़्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख़रुशेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस टरूमैन और 1961 में जॉन एफ़केनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे। फ़िक्लीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफ़त इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया।



विचार मंथन

मोदी के कंधों पर देश की साख

सर्वमित्रा सुरजन

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन दो देशों के मुखिया किस तरह आपस में मिले और एक-दूसरे का अभिवादन किया, इसके मायने भी महत्वपूर्ण होते हैं। कैमरे के सामने दो राष्ट्रप्रमुखों का एक-दूसरे से हाथ मिलाना, मुस्कुराते हुए फ़ोटो खिंचना, द्विपक्षीय चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ़्रेंस करना, या किसी अंतरराष्ट्रीय बैठक में तमाम राष्ट्राध्यक्षों की सामूहिक तस्वीर और एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर फ़ोटो खिंचना यह सब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी सामान्य बातें हैं। भारत में 10-11 साल पहले तक इस पर शायद ही कोई चर्चा होती थी कि देश के प्रधानमंत्री ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ, किस तरह से हाथ मिलाया, किस अंदाज में बातें की या उनके साथ घूमे-फ़िरे। लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनकी विदेश यात्राएँ शुरू हुईं, तब से भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों के साथ-साथ इस बात पर भी खासी चर्चा होने लगी कि कौन सा राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री मोदीजी का करीबी मित्र बन गया है, किसके साथ उनके पारिवारिक संबंध बन गए हैं। ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे।

जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ़्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख़रुशेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस टरूमैन और 1961 में जॉन एफ़ केनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे। फ़िक्लीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफ़त इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया। छवियों की बात चली है तो यह भी याद कर सकते हैं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन छतरी पकड़ कर कार तक आए थे। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि राजीव गांधी के लिए रोनाल्ड रीगन निष्के दोस्त हो गए थे। दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंध और छवियों की बात इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि इस समय देश और दुनिया में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और उधर अमेरिका में चार साल बाद

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हुई है। ट्रंप का सत्ता में लौटना अमेरिका समेत पूरी दुनिया में कई तरह के बदलावों का कारण बन रहा है, क्योंकि इस वक्त बिल्कुल निरंकुश अंदाज में ट्रंप शासन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके शुरुआती कुछ फैसले ही काफी विवादों में आए हैं, लेकिन ट्रंप किसी तरह से बदलते या अपना रुख नम करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे

आशंका है। अगर मोदी सरकार तुरंत ही इस पर आपत्ति जताती तो शायद कड़ा संदेश जाता। प्रसंगवश बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अपने नागरिकों के लिए विमान भेजा और जब वे वापस लौटे तो खुद विमान के भीतर जाकर उन्हें आश्रय दिया। इसी तरह वेनेजुएला ने अपने नागरिकों को अमेरिका से वापस बुलाया और जब वे



में नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के खास मायने हो जाते हैं कि इस बार किस अंदाज में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात और चर्चा होती है। याद रहे कि 2020 में नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर कूटनीतिक शिष्टाचार की सीमाएँ तोड़ी थीं। इस बार ट्रंप जीते लेकिन उन्होंने अपने शपथ ग्रहण में नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया। श्री मोदी ने ट्रंप को फिर भी बर्खास्त दी, और एक्स पर दिए अपने बर्खास्त संदेश में माय फ्रेंड यानी मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन देते हुए चार ऐसी तस्वीरें चर्ष्या की, जिनसे लोगों के बीच मोदी-ट्रंप दोस्ती की छवि गढ़ाई हो जाए। हालांकि निजी स्तर के इस बर्खास्त संदेश के बावजूद ट्रंप ने हथकड़ियों और जंजीरों के साथ अमेरिकी सैन्य विमान में भारतीयों को भेजकर यह जतला दिया कि वे ऐसी मित्रता और शिष्टाचार की रती भर परवाह भी नहीं करते हैं। अमेरिका से भारत की लंबी दूरी में अमानवीय तरीके से लाए गए भारतीयों की छवि केवल देश के लोगों ने नहीं दुनिया ने देखी है और इसके बाद आस्ट्रेलिया के एक स्टेटियम में भारतीय दर्शकों से उनके वीजा के बारे में पूछकर उन्हें चिढ़ाने की घटना हुई, जिससे जाहिर होता है कि इस छवि का नुकसान विश्वव्यापी स्तर पर भारत को हुआ वैसे भी भारत के लोगों को विदेशों में अनेक तरह के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। कई संपन्न और विकसित देश पढ़ने या काम करने गए आम भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते हैं, अब ऐसी घटनाओं के और बढ़ने की

विमानतल पर उतरे तो उनके स्वागत के लिए राष्ट्रपति खुद मौजूद थे। भारत में अमेरिका से हथकड़ियों में लाए गए नागरिकों को कैदियों वाली गाड़ी में उनके घरों तक भेजा गया। अपने नागरिकों को सम्मान देने और उनका सम्मान बचाने में सरकार तब चूक गई और अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात में इस बारे में कुछ कहते हैं या नहीं। हालांकि ट्रंप से मुलाकात से पहले पेरिस में श्री मोदी की मुलाकात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हुई। उनकी पत्नी उषा वेंस और बच्चों से भी श्री मोदी मिले और वेंस दंपती के बेटे विवेक को जन्मदिन पर बर्खास्त दी, उपहार दिया। इस बात की जानकारी श्री मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी, लेकिन यह जिक्र नहीं हुआ कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से भारतीयों के अपमान की बात की या नहीं की। संभवतः नहीं की, अन्यथा वे इसका ब्यौरा जरूर देते। अमेरिका से पहले श्री मोदी फ्रंस के दौरे पर थे, जहां से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हाथ मिलाते, गले मिलते, साथ बातें करते तस्वीरें भी आई हैं। लेकिन इसी अवसर को एक और तस्वीर आई है, जब आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के इस आयोजन में दुनिया भर के तमाम नेता, प्रतिनिधि मौजूद थे और राष्ट्रपति मैक्रों एक-एक करके सबके पास आकर हाथ मिला रहे थे और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सामने से उन्हें लगभग अनदेखा करते हुए वे निकल गए।

एआई पर सावधानी

पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रंस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सह-अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रंस, भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला, समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेतावाही अत्यधिक विनिदमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोरितमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि,

इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है। दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुव अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफैक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतः भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबरदस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पैदा करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतरराष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिच है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रदान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएँ। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों। भारतीय युवा भी खुद को इस नई चुनौती के अनुरूप तैयार करें।

आजाद का बयान नये समीकरणों का संकेत

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं। यह अलग बात है कि उनके इन बयानों में विरोधाभास भी हैं। तो भी जो तल्वी टीएमसी सांसद ने दिखाई है, वह बतलाती है कि इंडिया से कुछ दल अलग हो सकते हैं और यह भी संभव है कि विपक्षी दल नये समीकरण रच सकते हैं। कीर्ति आजाद के बयानों का कांग्रेस क्या प्रतिसाद या उत्तर देती है, यह देखने वाली बात है तभी भावी घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी को हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फेंडते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बर्धमान-दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफकिया कि- २0206 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फेर में नहीं पड़ेगी। एच वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार को पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने राहें तक कहा कि -शकांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में घुसा घोंपा है। उसे इंडिया में बने रहने का अधिकार नहीं है। वे पतल ही बोल चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है। उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुहम्मद शरीफ और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गूट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं।

चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है। उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश



यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गूट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं। एक तरह से महाराष्ट्र, हरियाणा और उसके बाद दिल्ली हारने के बाद कांग्रेस पर हमले तेज हो गये हैं

जो बतलाते हैं कि कुछ दल कांग्रेस को लेकर बेचैन हैं। हालांकि कांग्रेस पर होने वाले इन आक्रमणों में इस बात के अलावा कोई भी शिकायत वाजिब नहीं है कि उसके द्वारा इंडिया गठबन्धन की बैठक नहीं बुलाई जाती या फिर, अब तक कोई संयोजक नहीं बनाया गया है। इन बातों में

दम तो हैं लेकिन गठबन्धन यह भूल जाता है कि कांग्रेस केवल नेतृत्व नहीं कर रही है बल्कि उसके पास अपनी दलीय जरूरतें हैं वहीं जिनमें से एक है खुद को मजबूत बनाना तथा चुनाव लड़ना। इंडिया

के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक-एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है। आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया को भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बरक्स देखें तो उसके साथ गये सहयोगी दलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रावदी कांग्रेस पार्टी को तो भाजपा ने ही तोड़ा। अकाली दल को भी दुर्गति हुई। फिर, जिस दिल्ली के नतीजों की आड़ में कांग्रेस की आलोचना की जा रही है, उस सन्दर्भ में यह स्मरण दिलाया जाना लाजिमी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही आप ने ताबडुडो में लिये काफ़ी हैं, कुछ वैसे ही जबकि कांग्रेस वहां तालमेल की इच्छुक थी। वह चाहती थी कि उसे करीब 15 सीटें दी जायें जो कि वाजिब मांग थी। जिस प्रकार से आजाद कहते हैं कि उनके राज्य में अकेली ममता या टीएमसी भाजपा से निपटने के लिये काफ़ी है, कुछ वैसे ही गुमान आप को भी था। यह तो सही है कि पिछली दो बार की तरह इस बार भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली लेकिन आप ने कांग्रेस को साथ न लेकर सरकार गंवाई है- यह अब साफहो गया है। कम से 15 सीटें ऐसी थीं जिन पर यदि दोनों

मिलकर लड़ते तो वे सीटें गठबन्धन के खाते में आतीं। जहां तक महाराष्ट्र व हरियाणा का मसला है, यह नहीं भूलना चाहिये कि इन राज्यों में चुनाव सम्बन्धी बड़ी गड़बड़ियों का संदेह है। महाराष्ट्र में लोकसभा से विधानसभा चुनावों के बीच जिस प्रकार से 72 लाख मतदाता बड़ गये, वह सबके ध्यान में है। हरियाणा में प्रारम्भ से आगे चल रही कांग्रेस को जिस तरह से कुछ मिनटों के भीतर मतगणना धीमी कर निपटाया गया, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गड़बड़ तो दिल्ली में भी हुई है लेकिन बहस ऐसी दिशा में मोड़ दी गयी है- स्वयं इंडिया के घटक दलों के द्वारा कांग्रेस पर हमला करके, कि यहां चुनावी धांधली पर न किसी का ध्यान जा रहा है और न ही उसे कोई चर्चा में ला रहा है। स्वाभाविकतरु यह स्थिति भाजपा, सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में बनती है कि उस पर आरोप लगाने का किसी के पास अवकाश ही नहीं है। कीर्ति आजाद भूल जाते हैं कि भाजपा के इशारे पर ऐसी धांधलियां हर उस राज्य में होगी, जहां चुनाव हांगेय बेशक, पश्चिम बंगाल भी समेत होगा। ध्यान रहे कि आरोप लगाने वाले ज्यादातर सहयोगी दल गठबन्धन की सामूहिक आवाज बनकर कांग्रेस का साथ देते नजर नहीं आते, एकाध को छोड़कर। अनेक मुद्दों पर अकेले कांग्रेस ने आवाज उठाई लेकिन उससे पूरा इंडिया लाभान्वित हुआ है।





इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में श्रेयस अय्यर का बेहतरीन प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में विरोधी टीम का 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया और इस पूरे सीरीज के दौरान टीम इंडिया के मीडिल ऑर्डर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी शानदार रही। श्रेयस अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने से पहले घरेलू क्रिकेट खेल रहे थे और वहां पर भी उन्होंने मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने उस फॉर्म को इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखा और इस टीम के खिलाफ जमकर कर बनाए।

श्रेयस इस वनडे सीरीज में ना सिर्फ भारत की तरफ से बल्कि ओवरऑल भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शुभमन गिल के बाद दूसरे नंबर पर रहे। गिल ने इस वनडे सीरीज में 60.33 की शानदार औसत के साथ 181 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 123.12 का रहा। उन्होंने 3 मैचों में 2 अर्धशतकीय पारी खेली और उनका बेस्ट स्कोर 78 रन रहा। श्रेयस ने ना सिर्फ इस सीरीज में अच्छी बैटिंग की बल्कि उनकी फील्डिंग भी बेहतरीन रही। इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में



टाटा डॉटईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को 400,000 चार्जिंग प्वाइंट तक बढ़ाएगा

एजेंसी
मुंबई। भारत की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति के अगुआ टाटा डॉटईवी ने आज देश के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुये कहा कि वर्ष 2027 तक उपलब्ध चार्जिंग प्वाइंट की संख्या को दोगुना से अधिक बढ़ाकर चार लाख चार्जिंग प्वाइंट करने के ईवी को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाया जायेगा। कंपनी ने 2019 से भारत के ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहा है। सबसे पहले, टाटा समूह की कंपनियों के साथ साझेदारी करके सहज निजी/घरेलू चार्जिंग समाधान पेश किए और फिर सबसे तेज ईवी अपनाने वाले शहरों में और उसके आसपास सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को शुरू किया, जिससे शुरुआती अपनाने वालों को ईवी पर स्विच करने के लिए महत्वपूर्ण

लगातार सातवें दिन गिरा बाजार

एजेंसी
मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर अडानी पोर्ट्स, इंडोसिस, टीसीएस और एसबीआई समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिक्रयवाली से आज शेयर बाजार लगातार सातवें दिन गिरावट पर रहा। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 32.11 अंक उतरकर 76,138.97 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 13.85 अंक फिसलकर 23,031.40 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा, जिससे बीएसई का मिडिकैप 0.07 प्रतिशत बढ़कर 40,788.11 अंक पर पहुंच गया

38वें राष्ट्रीय खेल में महाराष्ट्र का जलवा, जिम्नारिस्टिक में लहराया परचम

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के जिम्नारिस्टिक स्पर्धा के पांचवें दिन बुधवार को महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खासतौर पर रिदमिक और एरोबिक जिम्नारिस्टिक में महाराष्ट्र का दबदबा देखने को मिला। हूप इवेंट में महाराष्ट्र की परीना राहुल मदनपोतरा ने 24.850 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

उनकी साथी खिलाड़ी किमाया अमलेश करले 24.150 अंकों के साथ रजत पदक जीतने में सफल रही। हरियाणा की लाइफ अदलखा ने 24.050 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। जबकि बॉल इवेंट में महाराष्ट्र की किमाया अमलेश करले ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 25.950 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। जम्मू-कश्मीर की मुस्कान राणा 25.750 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि उनकी साथी मान्या शर्मा ने 25.050 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। महिला व्यक्तिकत स्पर्धा में मणिपुर की अरिहा पांगम ने 18.450 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम बंगाल की माजिदा खातून को 17.350 अंकों के साथ रजत मिला, जबकि कांस्य पदक गुजरात की प्रकृति कमल शिंदे

आईजीआई, हंसराज, खालसा, एसआरसीसी और एसपीएम कॉलेज ने जीते अपने-अपने मुकाबले

एजेंसी
नयी दिल्ली। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साईंसेज, हंसराज कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने गुरुवार को 11वें पंचश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी (महिला एवं पुरुष) टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साईंसेज में किराडी मल कॉलेज को 8-1 हराया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साईंसेज की तरफ से फरमान और राम यादव ने दो-दो गोल किए और शेखर, सुमित, पुलकित और गुरुमुख ने एक-एक गोल किया जबकि किराडीमल कॉलेज की तरफ से एक गोल प्रजात आनंद ने किया। पुलकित को उनके शानदार खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' से नवाजा गया। दिन के दूसरे मैच में हंसराज कॉलेज ने एमटी यूनिवर्सिटी को 5-0 से हराया। सागर ने दो, गुरशिश, अमन और गौरव ने एक-एक गोल किया। हंसराज के गुरशिश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज को 1-0 से हराया। पिंकी ने विजयी गोल किया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवाड श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की खिलाड़ी अंशु को मिला। चौथे मैच में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने श्याम लाल कॉलेज एलुमनाई को 2-1 से हराया। खालसा कॉलेज की ओर से पवन और अंकित ने एक-एक गोल किया जबकि श्याम लाल कॉलेज एलुमनाई की ओर से एकमात्र गोल सरवन ने किया। मैन ऑफ द मैच का अवाड खालसा कॉलेज के अंकित को मिला।

सीएमडी, निदेशकों के पदों को तत्काल भरा जाए: पीएसईबीईए

एजेंसी
चंडीगढ़। पीएसईबीई इंजीनियर्स एसोसिएशन ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और पीएसपीसीएल (पीएसटीसीएल) में निदेशकों तथा पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (पीएसईआरसी) में सदस्य (तकनीकी) की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है। पीएसईबीईए के महासचिव अजय पाल सिंह अटवाल ने गुरुवार को बताया कि एसोसिएशन ने बुधवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य के बिजली क्षेत्र के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा ध्यान के मौसम की तत्काल तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सीएमडी तथा निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को तत्काल अंतिम रूप दिया जाए। पीएसपीसीएल के लिए सीएमडी तथा पीएसटीसीएल के लिए निदेशकों की समय पर नियुक्ति न केवल पंजाब के नागरिकों के लिए कुशल तथा विश्वसनिय बिजली आपूर्ति के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी, बल्कि आगामी तथा मांग वाले गर्मी के मौसम में बिजली क्षेत्र को चलाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता भी प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने पिछले साल सितंबर में पीएसपीसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), निदेशक वितरण, निदेशक वाणिज्यिक, निदेशक मानव संसाधन और निदेशक तकनीकी (पीएसटीसीएल) के पदों के लिए आपसेवाओं आमंत्रित किए थे। सीएमडी पीएसपीसीएल का प्रभार छह फरवरी को अस्थायी व्यवस्था के तौर पर सचिव (पावर) को दिया गया था। निदेशक (वितरण) और निदेशक (वाणिज्यिक) का कार्यकाल

भारत में आईजीसी व्यापार एवं निवेश परिषद का शुभारंभ

एजेंसी
मुंबई। भारत-ग्रीस-साइप्रस (आईजीसी) व्यापार एवं निवेश परिषद का आज यहाँ आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया गया, जो तीनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह ऐतिहासिक पहल सितंबर 2024 में यूरोबैंक एस.ए. और इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के बीच समझौते पर हस्ताक्षर के बाद की गई है। इस कार्यक्रम में ग्रीस और साइप्रस के राजदूतों के प्रतिनिधि और प्रतिष्ठित व्यापारिक नेता शामिल हुए, जिनमें आईजीसी के अध्यक्ष और जेनरल सेक्रेटरी स्टेनलेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल और यूरोबैंक एस.ए. के सीओओ फोकियन करावियास शामिल थे। हाल ही में शुरू की गई आईजीसी बिजनेस एंड इन्वेस्टमेंट काउंसिल का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, शिपिंग, प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और एक्सपोर्ट सहित विविध क्षेत्रों में व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना और तीनों देशों की कंपनियों के लिए एक साथ काम करने और आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत मंच बनाना है। सीमा पार व्यापार और निवेश को मजबूत करना भारत एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और ग्रीस और साइप्रस यूरोप के लिए रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में काम कर रहे हैं, आईजीसी बिजनेस एंड इन्वेस्टमेंट काउंसिल व्यापार मिशन, नीति संचादों और निवेश सुविधा के माध्यम से संरचित जुड़ाव को बढ़ावा देगी। यह पहल भारत की वैश्विक उपस्थिति के विस्तार और गहन अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप भी है। श्री जिंदल ने परिषद के रणनीतिक महत्व पर कहा

रजत पाटीदार होंगे आरसीबी के कप्तान

एजेंसी
नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 21 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए रजत पाटीदार को टीम का कप्तान बनाया है। आरसीबी ने गुरुवार को आयोजित एक समारोह में रजत पाटीदार को टीम का कप्तान नियुक्त किये जाने की घोषणा की। इस दौरान टीम के निदेशक मो बोबट, मुख्य कोच एंडी फ्लोवर और रजत पाटीदार मौजूद रहे। रजत ने 2021 में फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से तीन सत्रों के 28 मैचों में 158.85 की स्ट्राइक रेट से 799 रन बनाये हैं। आरसीबी ने नवंबर में हुई मेगा नीलामी से पहले रजत को रिटर्न किया था। वह



संक्षिप्त सामाचार

48 प्रतिशत लोगों को नकद मदद
नयी दिल्ली। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देश में 48 प्रतिशत लोगों को सामाजिक सुरक्षा के अंगरंग वित्तीय मदद दी जाती है। श्री मांडविया ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि देश में 48 प्रतिशत लोग केंद्र सरकार से किसी न किसी तरह से वित्तीय मदद पाते हैं। इनमें विभिन्न पेंशन योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर खाद्य सहायता भी इसमें जोड़ दी जाए तो यह आंकड़ा 92 प्रतिशत तक हो जाता है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के पिछले एक दशक के कार्यकाल में देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा 18 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यदि इसमें खाद्य सुरक्षा को भी शामिल करें, तो देश की 65 प्रतिशत आबादी यानी लगभग 92 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कहा कि पेंशन का दायरा छोटे कारोबारी तथा अन्य लोगों में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाती है और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम लोगों को पेंशन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रोत्साहन देती है।

दक्षिण कोरिया ने एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत को हराया

किंगदाओ (चीन)। बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 में भारत को ग्रुप डी के दूसरे मैच में गुरुवार को दक्षिण कोरिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन टीम ने ग्रुप में तीसरे स्थान रहते हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में पेरिस 2024 ओलिंपियन तनीषा ऋस्टो ने ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले मैच में जू डोंग की ओर इंगुन न जियोंग से 21-11, 12-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद मालविका बंसोड़ को जिन यू रिसम से सीधे गेम में हार मिली और इसी के साथ दक्षिण कोरिया ने 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। सतीश करुणाकरण ने जियोनीओप चो पर 17-21, 21-18, 21-19 से जीत दर्ज कर मुकाबले में वापसी की। गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली को जोड़ी ने पहले गेम में हार का सामना करने के बाद वापसी करते हुए जी मिम किम और जंग यू किम को 19-21, 21-16, 21-11 से हराया और मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद भारत को अब जीत दिलाने की जिम्मेदारी एमआर अर्जुन और सल्लिकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी पर थी। दक्षिण कोरियाई जोड़ी भारतीय खिलाड़ियों को शुरुआत से ही हारी रही। दूसरे गेम में अर्जुन और सल्लिक की वापसी के लिए किए गए कई प्रयास किये। इसके बाद योग जिन और सेउंग सुंग ने जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 21-14, 25-23 से मैच जीत लिया।

टोरेट समूह गुजरात टाइम्स में हासिल करेगा बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। खेल क्षेत्र में अपने प्रवेश को दर्शाते हुये टोरेट ग्रुप ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी, गुजरात टाइम्स में इरेलिया कंपनी पीटीई लिमिटेड से 67 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। कंपनी ने एक मीडिया वित्तिज्ञ में कहा, यह लेनदेन प्रथागत समापन शर्तों और अनुमोदन (बीसीसीआई सहित) के अधीन है। सौदे के हिस्से के रूप में, इरेलिया फ्रेंचाइजी में 33 प्रतिशत की पर्याप्त अल्पसंख्यक हिस्सेदारी बरकरार रखेगी।

